भारतीय सेना ने गुरुवार को जयपुर के जगतपुरा स्थित महल रोड पर अपना 78वां सेना दिवस सैन्य गौरव व अनुशासन के साथ मनाया। इस अवसर पर राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, मिजोरम के राज्यपाल जनरल (रि.) वीके सिंह, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, सप्तशक्ति कमान के सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह मौजूद थे।

पहली बार किसी असैन्य क्षेत्र में हुआ सेना दिवस परेड का भव्य आयोजन- भजनलाल

थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने परेड का निरीक्षण कर सलामी ली

- **जयपुर में आयोजित इस ऐतिहासिक प्रदर्शन को देखने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के अलावा राजस्थान के राज्यपाल बागड़े, मिज़ोरम के राज्यपाल जनरल (रि.) वी.के. सिंह, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, सप्त शक्ति कमान के सेना कमांडर जे. जनरल मनजिन्दर सिंह अनेक सैन्य व नागरिक गणमान्य जन उपस्थित थे।**

जयपुर, 15 जनवरी। भारतीय सेना ने 78वां सेना दिवस गुरुवार को जयपुर के जगतपुरा स्थित महल रोड पर पूरे सैन्य गौरव व अनुशासन के साथ मनाया। यह चौथा अवसर है, जब सेना दिवस परेड दिल्ली के बाहर आयोजित हुई और पहली बार किसी असैन्य क्षेत्र में आयोजित की गई। राजस्थान को पहली बार इस ऐतिहासिक आयोजन की मेजबानी का गौरव प्राप्त हुआ।

सैन्य उत्कृष्टता, गौरवशाली परंपराओं और राष्ट्रीय गौरव के भव्य एवं ऐतिहासिक प्रदर्शन को देखने के लिए राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, मिजोरम के राज्यपाल जनरल (रि.) वीके सिंह, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, सप्तशक्ति कमान के सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह सहित, अनेक सैन्य व नागरिक एवं गणमान्य जन उपस्थित रहे।

थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने परेड का निरीक्षण कर सलामी ली। दक्षिण पश्चिम कमान के चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल हरविंदर सिंह ने भव्य परेड का नेतृत्व किया। सेना दिवस परेड में भारतीय सेना ने अपने शौर्य, साहस और अजेय शक्ति का प्रदर्शन किया।

परेड में परमवीर चक्र, अशोक चक्र, महावीर चक्र, कीर्ति चक्र एवं वीर चक्र विजेता भी विशेष मेहमान के रूप में शामिल हुए। स्वदेशी ब्रह्मोस मिसाइल, भीष्म एवं अर्जुन टैंक, के-9 वज्र तोप, बीएमपी वाहन, 155 एमएम अमोघ, नामिस (नाग मिसाइल सिस्टम), पिनाक रॉकेट लॉन्चर सिस्टम, शिल्का हथियार प्रणाली, ड्रोन शक्ति, ड्रोन जैमर तकनीक, इलेक्ट्रिक ऑल टैरेन व्हीकल के प्रदर्शन आकर्षण का विशेष केन्द्र रहे।

नव गठित भैरव बटालियन सहित, भारतीय सेना की 7 रेजीमेंट की टुकड़ियों ने मार्च पास्ट किया।

परेड से पहले, ऑपरेशन 'सिंदूर' एवं अन्य अभियानों में अदम्य साहस और वीरता के लिए शूरवीरों, सूबेदार मेजर पवन कुमार, हवलदार सुनील कुमार सिंह, लांस नायक दिनेश कुमार, लांस नायक सुभाष कुमार और लांस नायक प्रदीप कुमार को मरणोपरांत 'सेना मेडल (गैलेंट्री)' से सम्मानित किया गया।

तीन चेतक हेलीकॉप्टरों ने तिरंगा एवं संयुक्त सेनाध्वज के साथ पुष्प वर्षा कर और अपाचे सहित, विभिन्न हैलीकॉप्टर्स ने एयरोहेड व अन्य फॉर्मेशन से परेड को भव्य रूप दिया। सेना सेवा कोर के टोरेनैडो के बाइक्स पर व पैराट्रूपर्स के आसमान में हैरतअंगेज करतबों और परेड के समापन पर नाल एयरबेस से आए तीन जगुआर लड़ाकू विमानों की गर्जना ने सभी को रोमांचित कर दिया।

बड़ी संख्या में गणमान्य जन, नागरिक, वेटरन्स, युवा और छात्र-छात्राएं इस ऐतिहासिक आयोजन के साक्षी बने।

ईरान ने 16 भारतीय क्रू सदस्य को हिरासत में लिया

नई दिल्ली, 15 जनवरी। ईरान में जारी सरकार विरोध प्रदर्शन के बीच एक बड़ी खबर सामने आ रही है। ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने जहाज एमटी वैलियंट रोअर के 16 भारतीय क्रू मेंबर्स को हिरासत में ले लिया है। इस

- **ये सभी लोग जहाज एमटी वैलिएंट रोअर के क्रू मैम्बर्स हैं**

जहाज को 8 दिसंबर 2025 को यूएई के दिब्बा पोर्ट के पास अंतरराष्ट्रीय समुद्री इलाके में रोका गया था। ईरानी अधिकारियों का आरोप है कि जहाज पर 6,000 मीट्रिक टन ईंधन की तस्करी की जा रही थी। इस जहाज पर काम कर रहे थर्ड इंजीनियर केतन मेहता के परिवार की चिंता लगातार बढ़ ती जा रही है।

केतन के पिता मुकेश मेहता ने बताया कि उनके बेटे की आखिरी बार आवाज उन्होंने 31 दिसंबर 2025, यानी नए साल की पूर्व संध्या पर सुनी थी। उस समय केतन ने अपने माता-पिता को भरोसा दिलाया था कि वह सुरक्षित है। केतन का मोबाइल फोन खो जाने के कारण वह सीधे अपने परिवार से बात नहीं कर पा रहा था।

केतन अपने एक साथी क्रू मेंबर, ऑइलर पोथी दिवाकर के फोन से संपर्क कर रहा था। हाल ही में जब केतन के पिता ने दिवाकर से बात की, तो उन्हें बताया गया कि आईआरजीसी ने आधिकारिक तौर पर 10 क्रू मेंबर्स को गिरफ्तार कर लिया है, जिनमें केतन भी शामिल है।

परिवार ने इस मामले में विदेश मंत्रालय (एमईए) और भारतीय दूतावास से संपर्क किया है। मुकेश मेहता ने बताया कि एमईए ने हमसे केतन के पासपोर्ट की जानकारी मांगी थी, जो हमने तुरंत दे दी। लेकिन इसके बाद से हमें कोई जानकारी नहीं मिली है। न कोई साफ जवाब है, न ही कोई भरोसा।

क्या लालू परिवार का "रीयूनियन" सन्निकट है

पार्टी से निष्कासित पुत्र तेज प्रताप के घर दही चूड़ा पार्टी में लालू प्रसाद शामिल हुए

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **तेज प्रताप यादव ने इस कार्यक्रम के लिए लालू यादव के साथ छोटे भाई तेजस्वी को भी बुलाया था। तेज प्रताप ने लालू, माँ राबड़ी देवी, भाई तेजस्वी और भतीजी कात्यायनी के साथ तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट कीं।**
- **ज्ञातव्य है कि 8 माह पहले लालू यादव ने तेज प्रताप को परिवार से निकाल दिया था। क्योंकि तेज प्रताप ने एक लड़की अनुष्का यादव के साथ एक तस्वीर पोस्ट की और कहा कि वे दोनों 12 साल से साथ हैं।**
- **इसके बाद काफी बवाल हुआ लोगों ने सवाल किया कि फिर तेज प्रताप ने राजद नेता चंद्रिका राय की बेटी एश्वर्या से शादी क्यों की थी। हालांकि बाद में तेज प्रताप ने पोस्ट डिलीट कर दी थी।**

नई दिल्ली, 15 जनवरी। फेसबुक पोस्ट को लेकर अपने बड़े बेटे तेज प्रताप यादव को पार्टी से निष्कासित करने के लगभग आठ महीने बाद, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के संस्थापक और वरिष्ठ नेता लालू प्रसाद यादव मकर संक्रांति के अवसर पर आयोजित दही-चूड़ा भोज में शामिल होने के लिए तेज प्रताप के घर पहुंचे।

ज्ञातव्य है कि एक दिन पहले पूर्व मंत्री और पूर्व विधायक तेज प्रताप यादव ने अपने पिता लालू प्रसाद यादव और छोटे भाई तेजस्वी यादव, जो बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं, को दही-चूड़ा कार्यक्रम में आमंत्रित किया था।

तेज प्रताप का यह निमंत्रण और लालू यादव का उनके घर आना इसलिए अहम माना जा रहा है, क्योंकि इससे राजद के इस प्रथम परिवार के भीतर सुलह के संकेत मिलते हैं। नवंबर में हुए बिहार विधानसभा चुनाव से इसका महत्व और बढ़ गया है। इस चुनाव में राजद को हार का सामना करना पड़ा, जबकि एनडीए ने बड़ी जीत दर्ज की। चुनाव के दौरान राजद का प्रथम परिवार विभाजित नज़र आया था। तेज प्रताप ने जनशक्ति जनता दल के बैनर तले अलग से चुनाव लड़ा था। राजद को जहां 25 सीटें मिलीं, वहीं तेज प्रताप की पार्टी को एक भी सीट नहीं मिली थी।

इस पृष्ठभूमि में, इस पारिवारिक मिलन को इस कठिन समय में राजद के प्रथम परिवार की ओर से एकता का संदेश माना जा रहा है। दरअसल, बुधवार को पटना स्थित अपने पिता के 10, सर्कुलर रोड आवास पर जाने के बाद, तेज प्रताप ने लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी यादव, मां राबड़ी देवी और भतीजी कात्यायनी के साथ की तस्वीरें पोस्ट कीं। गुरुवार के कार्यक्रम में लालू प्रसाद यादव की मौजूदगी के साथ यह माना जा रहा है कि रिश्तों में एक नया अध्याय शुरू हो सकता है।

लालू प्रसाद यादव ने मई महीने में तेज प्रताप को, उनके रिश्ते की स्थिति से जुड़े एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर, पार्टी से निष्कासित कर दिया था, हालांकि इस पोस्ट को बाद में हटा भी लिया गया था। निष्कासन की घोषणा करते हुए लालू प्रसाद यादव ने कहा था कि निजी जीवन में "नैतिक मूल्यों की अनदेखी" सामाजिक न्याय के लिए समुदाय के संघर्ष को कमजोर करती है।

विवाद के केन्द्र में तेज प्रताप की एक महिला के साथ तस्वीर थी। पोस्ट में महिला की पहचान अनुष्का यादव के रूप में की गई थी और कहा गया था कि अनुष्का यादव और राजद नेता पिछले 12 वर्षों से रिश्ते में हैं। पोस्ट में लिखा था, "मैं तेज प्रताप यादव हूं और इस तस्वीर में मेरे साथ जो लड़की दिख रही है, वह अनुष्का यादव है। हम पिछले 12 वर्षों से एक-दूसरे को जानते हैं और एक-दूसरे से बहुत ज्यादा प्यार करते हैं। इन वर्षों में हमारे सम्बंध निरन्तर रहे हैं। मैं काफी समय से यह बात आप सभी से शेयर करना चाहता था, लेकिन सही शब्द नहीं मिल पा रहे थे। आज, इस पोस्ट के माध्यम से, मैं अपना दिल आपके सामने खोल रहा हूं। उम्मीद है, आप सभी (स्थिति को) समझेंगे।"

इस पोस्ट पर तीखी प्रतिक्रियाएं आईं और कई लोगों ने सवाल उठाया कि अगर तेज प्रताप पहले से रिश्ते में थे तो उन्होंने 2018 में बिहार के पूर्व मंत्री चंद्रिका राय की बेटी ऐश्वर्या से शादी क्यों की। ज्ञातव्य है कि शादी के कुछ ही महीनों बाद, तेज प्रताप और ऐश्वर्या अलग हो गए थे।

कुछ ही समय बाद यह पोस्ट हटा ली गई और तेज प्रताप ने दावा किया कि उनका प्रोफाइल हैक हो गया था। उन्होंने लिखा, "मेरा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म हैक कर लिया गया था और मेरी तस्वीरों को गलत तरीके से एडिट किया गया।"

तेज प्रताप को पार्टी से निकालने के लालू यादव के फैसले का परिवार के अन्य सदस्यों, जिनमें तेजस्वी यादव भी शामिल थे, ने समर्थन किया था। बाद में तेज प्रताप ने अपनी अलग पार्टी बनाई और कुछ सीटों पर राजद को चुनौती दी, लेकिन उन्हें एक भी सीट नहीं मिली।

पाकिस्तान, बांग्लादेश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अमेरिका का भारत के लिए यह फैसला अमेरिका के "भरोसेमंद साझेदार" के रूप में उसका दर्जा और मजबूत करता है। भारतीय अधिकारियों ने न्यूज18 को बताया कि इससे कुशल प्रवास, उच्च शिक्षा में दाखिले और तकनीकी साझेदारी को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, खासकर स्वास्थ्य, आईटी और इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में, जहां भारतीय पेशेवर अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए अहम हैं। इससे आगे चलकर कार्य वीज़ा, टेलैंट मोबिलिटी फ्रेमवर्क और इनोवेशन आधारित सहयोग पर द्विपक्षीय बातचीत में भारत की स्थिति भी मजबूत हो सकती है।

अमेरिकी विदेश विभाग ने स्पष्ट किया है कि यह रोक पहले से जारी वैध वीज़ा को रद्द नहीं करेगी, लेकिन अगले मंगलवार से सूचीबद्ध देशों के लिए नए इमिग्रेंट वीज़ा अपॉइंटमेंट रोक दिए जाएंगे। कुल मिलाकर, ऐसे समय में, जब प्रवास नीति जोखिम आकलन और आर्थिक उपयोगिता से तय हो रही है, भारत को यह फैसला एक अनुकूल स्थिति में रखता है। भारतीय आवेदकों के लिए इससे अनिश्चितता कम होती है और भारत की छवि एक भरोसेमंद, कुशल और आत्मनिर्भर प्रवासियों के स्रोत के रूप में और मजबूत होती है।

राज्यसभा के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लेकिन अगर उन्हें फिर से नामित नहीं किया गया तो नया उपसभापति आने से और अस्थिरता पैदा हो सकती है।

दूसरा विकल्प यह है कि भाजपा ही हरिवंश को दोबारा नामित कर दे, लेकिन भाजपा के सूत्रों का कहना है कि वे वोट के लिहाज से कोई फायदा नहीं पहुंचाते और पार्टी के लिए खास उपयोगी साबित नहीं होते।

दिलचस्प बात यह है कि लगातार लोकसभा चुनाव जीतने के बावजूद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी न तो अपने मंत्रिमंडल में और न ही अन्य महत्वपूर्ण पदों पर कोई बदलाव कर पाए हैं। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले जो लोग सत्ता में थे, उन्हें ही जारी रखा गया क्योंकि मोदी-शाह की जोड़ी किसी भी बदलाव को लेकर असुरक्षित महसूस कर रही थी।

यहां तक कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला को भी दोबारा लोकसभा अध्यक्ष (स्पीकर) बनाए जाने पर सुखद आश्चर्य हुआ था, क्योंकि इस पद पर बदलाव की उम्मीद की जा रही थी।

तब से लेकर अब तक, मोदी अपने मंत्रिपरिषद में फेरबदल नहीं कर पाए हैं, जबकि पिछले एक साल से बदलाव की अटकलें लगातार लग रही थीं। ऐसे माहौल में हरिवंश का भविष्य अधर में लटका हुआ है।

बिहार से भाजपा को दो सीटें मिलेंगी, जद (यू) को दो और एक सीट चिराग पासवान को मिलने की संभावना है। कहा जा रहा है कि पासवान मां को भी नामित किया जा सकता है, भले ही उनके पास पूरे नंबर न हों।

बीएमसी चुनाव में भाजपा गठबंधन को बहुमत का संकेत

तीन एग्ज़िट पोल नतीजों में भाजपा को आगे बताया गया है

- **एग्ज़िट पोल्स के अनुसार ठाकरे बंधुओं को मराठा और मुस्लिम वोटों का फायदा मिलता दिख रहा है पर भाजपा को उत्तर भारतीय, दक्षिण भारतीय और अन्य का भारी समर्थन मिलने के संकेत हैं।**

मुंबई, 15 जनवरी। मुंबई के सबसे ताकतवर नगर निकाय बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के चुनाव को लेकर आए एग्जिट पोल में भाजपा और एकनाथ शिंदे की शिवसेना को बढ़त मिलती दिख रही है। तीन अलग-अलग एग्जिट पोल्स के मुताबिक, सत्ता की दौड़ में यह गठबंधन आगे है।

एग्जिट पोल्स का कहना है कि उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे की एकजुट शिवसेना (यूबीटी) और मनसे को मराठा और मुस्लिम वोटों का फायदा मिल सकता है। वहीं, उत्तर भारतीय और दक्षिण भारतीय मतदाताओं ने बड़ी संख्या में भाजपा का समर्थन किया है।

रुझानों के मुताबिक, युवा मतदाता और महिलाएं भी इस बार बीजेपी के पक्ष में झुकी नजर आ रही हैं। हालांकि, यह भी साफ किया गया है कि एग्जिट पोल हमेशा सही साबित हों, ऐसा जरूरी नहीं है। जेवीसी एग्जिट पोल के अनुसार, भाजपा को 138 सीटें मिल सकती हैं, जबकि उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) और राज ठाकरे की मनसे को मिलाकर 59 सीटें मिलने का अनुमान है। इस सर्वे में कांग्रेस को 23 सीटें मिलने की संभावना जताई गई है।

एक्सिस माई इंडिया का अनुमान है कि भाजपा और शिंदे की शिवसेना को मिलाकर 131 से 151 सीटें मिल सकती हैं। वहीं, शिवसेना (यूबीटी) गठबंधन को 58 से 68 सीटें मिलने का अनुमान जताया गया है।

सकल एग्जिट पोल के मुताबिक, भाजपा और शिवसेना को 119 सीटें, जबकि शिवसेना (यूबीटी) को 75 सीटें मिल सकती हैं। इस पोल में कांग्रेस को 20 से ज्यादा सीटें मिलने की संभावना नहीं जताई गई है।

रांची में ईडी अफसरों पर एफआईआर

रांची, 15 जनवरी। झारखंड की राजधानी रांची में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों पर पूछताछ के नाम पर मारपीट करने का गंभीर आरोप सामने आया है। इस मामले की जांच को लेकर गुरुवार सुबह रांची के एयरपोर्ट थाना की पुलिस भारी संख्या में ईडी कार्यालय पहुंची और जांच शुरू की। एयरपोर्ट थाना में दर्ज एफआईआर के आधार पर पुलिस अधिकारियों ने ईडी

- **एक पीड़ित ने पूछताछ के नाम पर मारपीट का आरोप लगाया व शिकायत दर्ज की इसके बाद पुलिस ईडी दफ्तर पहुंची।**

कार्यालय के भीतर जाकर सीसीटीवी फुटेज खंगाले और संबंधित अधिकारियों से पूछताछ की। पीड़ित संतोष कुमार ने आरोप लगाया है कि 12 जनवरी को ईडी कार्यालय में पूछताछ के दौरान उन पर जबरन जुर्म कबूल करने का दबाव बनाया गया। उनका दावा है कि ईडी के अफसर प्रतीक और शुभम ने उनके साथ बेरहमी से मारपीट की, जिससे उनका सिर फट गया। इसके बाद उन्होंने एयरपोर्ट थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए सदर डीएसपी, सिटी डीएसपी, एयरपोर्ट थाना प्रभारी और एक इंस्पेक्टर स्वयं ईडी कार्यालय पहुंचे और साक्ष्य संकलन में जुटे रहे।

ईरान में सत्ता ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मार्ग की पहुँच से वंचित किए जाने के कारण, ईरान भारत के लिए पश्चिम की ओर संपर्क का भरोसेमंद जरिया बनकर उभरा है। भारत की रणनीति का केन्द्र ईरान का चाबहार बंदरगाह है, जिसे नई दिल्ली को ईरानी तट तक सीधी पहुँच देने के लिए विकसित किया गया है। यह बंदरगाह पाकिस्तान को दर गुजर करते हुए, भूमि और रेल नेटवर्क के जरिए भारत को मध्य एशिया से जोड़ता है।

हालांकि, ऐसे सभी संपर्क गलियारों के लिए देशों के बीच राजनीतिक सामंजस्य, सुरक्षा की गारंटी और दीर्घकालिक योजना आवश्यक होती है। तेहरान में किसी भी प्रकार का सत्ता परिवर्तन इन सभी तत्वों को खतरे में डाल सकता है।

फ्रांस से 114 ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सूत्रों ने बताया कि मौजूदा परिस्थितियों में राफेल भारतीय वायु सेना की लड़ाकू विमानों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सबसे उपयुक्त पाया गया है, क्योंकि इसकी सेवायोग्यता लगभग 90 प्रतिशत है, जो अमेरिकी एफ-35 सहित, दुनिया के किसी भी अन्य विमान की तुलना में कहीं अधिक है।

गौरतलब है कि भारतीय वायु सेना बहु-विक्रेता निविदा में चयन होने के बाद से ही 114 राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद के लिए लंबे समय से प्रयास कर रही है। भारतीय वायु सेना लड़ाकू विमानों के स्क्वाड्रनों की घटती संख्या की समस्या से जूझ रही है और इंजनों से संबंधित समस्याओं के साथ-साथ विदेशी निर्मित उपकरणों को हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) मार्क 1ए विमान में एकीकृत करने में आ रही दिक्कतों के कारण स्वदेशी परियोजना में भी देरी हो रही है।

ईरान ने हवाई क्षेत्र ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उसने यात्रियों को हवाई अड्डों के लिए निकलने से पहले उड़ान की स्थिति की जानकारी लेने की सलाह दी है और इस असुविधा के लिए खेद जताया है।

सूत्रों ने बताया है कि एयर इंडिया की अमेरिका जाने वाली तीन उड़ानें रद्द की गयी हैं। अन्य उड़ानों के मार्ग बदले गये हैं।

निजी विमान सेवा कंपनी इंडिगो ने भी "ईरान द्वारा अचानक हवाई क्षेत्र बंद किये जाने" का हवाला देते हुए एक्स पर बताया है कि उसकी कुछ अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर असर पड़ा है। उसने स्थिति पर खेद जताते हुए कहा है कि यह स्थिति एयरलाइंस के नियंत्रण से परे है।

विधानसभा चुनावों की तैयारी में जुटी कांग्रेस

- **असम, केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में अगले कुछ महीनों में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं**

नयी दिल्ली, 15 जनवरी। कांग्रेस पार्टी असम, तमिलनाडु, केरल और पश्चिम बंगाल में चुनावी तैयारी में जुट गयी है, जहां अगले कुछ महीनों में विधानसभा चुनाव संभावित है। इन राज्यों के नेताओं को एक-एक करके दिल्ली बुलाया जा रहा है और पहली बैठक 16 जनवरी को होगी।

कांग्रेस असम विधानसभा चुनाव में कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहती है। यही वजह है कि पार्टी के बड़े नेताओं को लगातार बड़ी ज़िम्मेदारी असम में दी जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, असम विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने 16 जनवरी को दिल्ली इंदिरा भवन में बैठक बुलाई है।

बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस नेता राहुल गांधी, राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल, असम कांग्रेस प्रभारी जितेन्द्र सिंह, असम अध्यक्ष गौरव गोगोई सहित प्रदेश के कुछ और वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। इस बैठक में असम में होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर मंथन किया जाएगा। चुनावी मुद्दे, संगठन की स्थिति, असम मुख्यमंत्री के चुनावी अभियान को चुनौती देने की रणनीति पर चर्चा की जाएगी।

अभिषेक सिंघवी, सिब्बल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एन्फोर्समैंट डायरैक्टोरेट (ईडी) की याचिका को सही माना और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी तथा उनके साथ गए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को नोटिस जारी किये, जिन्होंने उनके निर्देशों पर काम किया था।

ईडी ने अदालत में कहा कि ममता बनर्जी ने जांच में दखल दिया और जरूरी दस्तावेजों की तलाशी व जब्ती को रोका। ईडी का आरोप है कि वे पुलिस की मदद से संबंधित फाइलें, दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण अपने साथ ले गईं।

एडवोकेट जनरल तुषार मेहता ने दलील दी कि ममता बनर्जी ने जरूरी सामग्री की चोरी की और स्थानीय पुलिस की मदद से इन दस्तावेजों को वहां से ले गईं। अब सुप्रीम कोर्ट ने ममता बनर्जी को 3 फरवरी तक जवाब देने का निर्देश दिया है।

पश्चिम बंगाल सरकार ने ईडी के उस मामले का विरोध किया, जिसमें ममता बनर्जी पर उस जगह जबरन घुसने का आरोप है, जहां ईडी आपत्तिजनक सामग्री बरामद करने के लिए छापा मार रही थी। ईडी बंगाल के करोड़ों रुपये के कोयला घोटाले की छानबीन कर रही थी।

ईडी का कहना है कि उसे लीज पर दिए गए कोयला क्षेत्रों से अवैध खनन और निजी कंपनियों को कोयला बेचने के पर्याप्त सबूत मिले हैं। इस घोटाले की रकम को बाद में हवाला चैनल के जरिए इधर-उधर किया गया।

कोयला घोटाले का मामला 2024 में शुरू हुआ था और ईडी धीरे-धीरे चार्जशीट तैयार कर रही था और सुरागों के जरिए आगे बढ़ रही थी। इसी सिलसिले में ईडी प्रतीक जैन के घर और कोलकाता में आई-पैक के दफ्तर पर छापा मार रही थी, ताकि गलत कामों के सबूत जुटाए जा सकें।

इतने गंभीर आर्थिक अपराधों की जांच में मदद करने के बजाय, ममता बनर्जी ने मुख्यमंत्री के रूप में अपनी पूरी ताकत लगाकर ईडी की जांच रोक दी, जिससे एजेंसी को वहाँ से खाली हाथ लौटना पड़ा।

ममता बनर्जी के वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट में मामला टालने की पूरी कोशिश की और कहा कि यह विषय पहले से ही कलकत्ता हाई कोर्ट में चल रहा है। हालांकि आरोप है कि तृणमूल कांग्रेस के गुंडों ने कलकत्ता हाई कोर्ट में सुनवाई के दौरान कोर्ट रूम को जाम कर दिया, जिससे ईडी के वकील अपनी बात ठीक से नहीं रख सके।

एडवोकेट जनरल ने कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की कार्रवाई "चोरी" है और जांच रोकने के बाद, वे सड़क पर धरना देने चली गईं। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें बिना सजा के छोड़ दिया गया तो इससे अधिकारियों का मनोबल टूटेगा और भविष्य में वे अपने कर्तव्य निभाने से डरेंगे।

तृणमूल कांग्रेस ने यह दिखाने की कोशिश की कि आई-पैक के दफ्तर में पार्टी की गुप्त चुनावी रणनीति से जुड़े काफी कागजात थे और चुनाव से पहले इन्हें ले जाना पार्टी के लिए नुकसानदेह होता। सुप्रीम कोर्ट इस तर्क से प्रभावित नहीं दिखा और मुख्यमंत्री को अगली सुनवाई से पहले जवाब देने का निर्देश दिया।

'चार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सिंह ने कहा कि वर्ष 2026 में देश के चार प्रमुख महानगरों-दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और पुणे-में कुल 200 स्थापित किए जाएंगे। प्रत्येक महानगर में 50-50 मौसम स्टेशन लगाए जाएंगे, जिससे शहरी क्षेत्रों में अत्यंत स्थानीय और वास्तविक समय पर आधारित मौसम पूर्वानुमान संभव हो सकेगा। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिकारी, वैज्ञानिक, मौसम विशेषज्ञ और अन्य हितधारक उपस्थित थे। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री ने आईएमडी परिसर में मॉडल ऑब्ज़र्वेटरी, 3डी-प्रिंटेड स्वचालित मौसम स्टेशन और स्वचालित एग्रो मौसम स्टेशन का उद्घाटन भी किया।

समापन में डॉ. जितेन्द्र सिंह ने कहा कि सरकार देशभर में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस और नए क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र स्थापित करने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि जैसे-जैसे आईएमडी अपने 152वें वर्ष में प्रवेश करेगा, उसकी सटीकता, विश्वसनीयता और जनविश्वास और भी मजबूत होगा।

क्या हाईकोर्ट एस.आई. भर्ती ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि परीक्षा इसलिए रद्द की जानी चाहिए, क्योंकि यह मामला व्यापक पेपर लीक व चीटिंग का है, जिसमें सम्पूर्ण जांच करना असंभव है क्योंकि परीक्षा के तीनों दिन पेपर लीक कर "वॉट्सऐप" के माध्यम से अभ्यर्थियों के साथ साझा कर दिया गया था, जिससे विस्तृत रूप से अलग-अलग केन्द्रों तक यह पेपर मुहैया कराया जा सकता था।उन्होंने कहा कि इस मामले में करीब 12 इनामी आरोपी अभी भी फरार हैं, जो हरियाणा और उत्तर प्रदेश के गिरोह से सम्बन्ध रखते हैं। इसलिए इनके खिलाफ जांच करना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि एक आरोपी की संदिग्ध तौर पर मौत भी हो चुकी है, जिससे यह भी पता नहीं लगाया जा सकता कि उसने किस-किस को पेपर बेचा था।मामले की सुनवाई के दौरान अपीलार्थियों की ओर कहा गया था कि याचिकाकर्ता कैलाश चन्द्र ने अपनी याचिका व शपथ पत्र में कुछ अनिवार्य तथ्यों को उजागर नहीं किया था, जैसे उन्होंने दो बार याचिका दायर की थी और यह भी नहीं जाहिर किया था कि उन्हें जांच की रिपोर्ट कैसे मिली, वह सार्वजनिक दस्तावेज नहीं था। इस पर याचिकाकर्ताओं के वकील वरिष्ठ अधिवक्ता आर.पी. सिंह ने कहा कि इस मामले में 22 याचिकाकर्ता हैं और प्रमोद कुमार की याचिका में भी वही तथ्य व एस.ओ.जी. की रिपोर्ट संलग्न है, जो कैलाश चन्द्र की याचिका में थी। उन्होंने अदालत में कहा कि मामले को प्रारंभिक आपत्तियों व तकनीकी आधारों पर तय नहीं किया जाना चाहिए बल्कि तथ्यों को सुनकर किया जाना चाहिए, क्योंकि यह मामला वृहद स्तरीय जनहित से जुड़ा है। इस मामले में एक पहलू यह भी है कि प्रदेश के महाधिवक्ता ने भी राज्य सरकार को सलाह दी थी कि एस.आई. भर्ती परीक्षा-2021 रद्द कर दी जानी चाहिए, क्योंकि जांच से स्पष्ट हो रहा है कि परीक्षा में भारी धांधली हुई है, और जांच के बावजूद पूरी तरह दूध का दूध, पानी का पानी नहीं किया जा सकता। हालांकि अपीलार्थियों का कहना है कि महाधिवक्ता की राज्य सरकार को सलाह विशिष्ट दस्तावेज है, जिसे अदालत में पेश नहीं किया सकता। वरिष्ठ अधिवक्ता कमलाकर शर्मा, जो अपीलार्थियों की तरफ से पैरवी कर रहे थे, ने कहा कि इस प्रकरण में कई अभ्यर्थी ऐसे भी थे, जो ईमानदार हैं और उनका चयन अन्य परीक्षाओं में भी हो गया होता, परन्तु उन्होंने एस.आई. भर्ती परीक्षा को प्राथमिकता देते हुए अन्य परीक्षाओं से अपनी उम्मीदवारी वापिस ले ली। उन्होंने अदालत में कहा कि एस.आई. भर्ती परीक्षा-2021 में 880 चयनित अभ्यर्थियों में से करीब 440 ऐसे अभ्यर्थी थे, जिनका आर.ए.एस. व अन्य संलग्न सेवाओं में चयन हो जाता। हालांकि यह असत्यापित बयान है, क्योंकि किन अभ्यर्थियों का चयन होता, इस पर केवल अटकलें ही लगा सकते हैं और व्यवहारिक रूप से जिस अभ्यर्थी का आर.एस.एस. जैसे पद पर चयन होने की संभावना होती, वह पुलिस में सबसे न्यूनतम स्तर के पद पर भर्ती क्यों लेता। अदालत ने सभी तथ्यों को सुनने के बाद यह कहा कि वह यह जानना चाहती है कि इस मामले में अपील दायर होने के बाद से प्रशासन व पुलिस महकमा कितनी गंभीरता व तत्परता से एस.आई. भर्ती परीक्षा-2021 पेपरलीक मामले की जांच कर रहा है और कितने और आरोपियों को गिरफ्तार व इंटेरोगेट कर चुका है। उल्लेखनीय है कि इस मामले में अपील दायर होने के बाद और जांच अधिकारियों के ट्रांसफर होने के बाद से एस.आई. भर्ती परीक्षा के आरोपियों की गिरफ्तारी की संख्या में काफी गिरावट आई है। परन्तु इसका पूर्ण ब्यौरा महाधिवक्ता अदालत में कल पेश करेंगे।

'राज्य सरकार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रिपोर्ट के आधार पर एकलपीठ ने भर्ती रद्द करने का आदेश दिया था, जबकि एसआईटी ने परीक्षा रद्द करने के टास्क पर अपनी रिपोर्ट दी थी। वहीं एसआईटी ने मामले में पुनर्विचार कर अपनी दूसरी रिपोर्ट दी और उसमें माना कि दोषियों की छंटनी संभव होने के कारण पूरी भर्ती रद्द नहीं कर सकते। इस मामले में राज्य सरकार व चयनित अभ्यर्थियों की बहस पूरी हो चुकी है।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्य